डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

अप्रैल 2023 खण्ड 35 अंक 04

"बलस्य मूलं विज्ञानम्"

ISSN: 0971-4405

डीआरडीओ द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन

मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल
प्रबंध संपादक: अजय कुमार
संपादकीय सहायक: धर्म वीर
मुद्रण: एस के गुप्ता

प्रकाशन का 35वां वर्ष

डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
		श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
		श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमरानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	श्री के एस नखुरु, , रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

घटनाक्रम 8

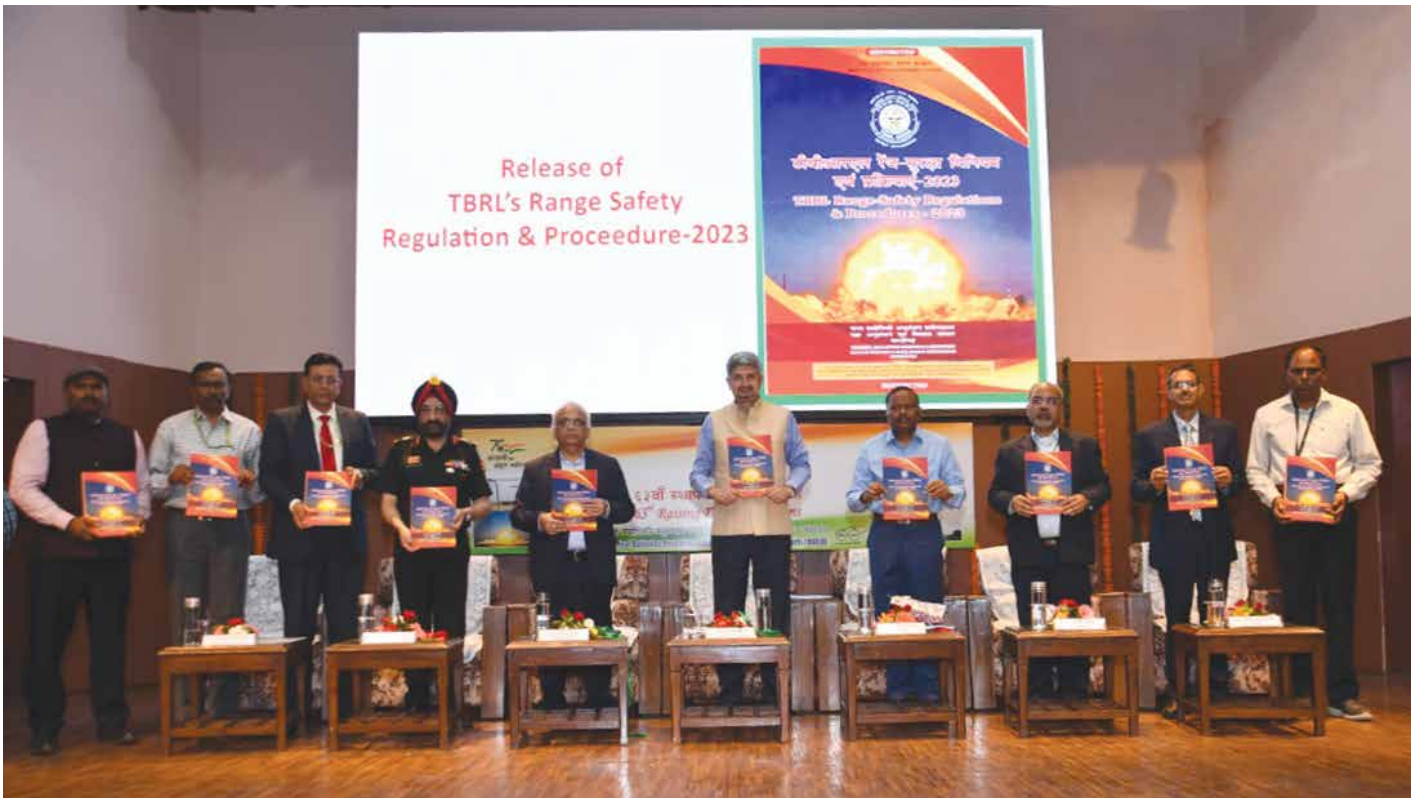

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 17

कार्मिक समाचार 23

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 24

वेबसाइटः https://www.drdo.gov.in/samachar
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in
दूरभाषः 011-23902403, 23902434
फैक्सः 011-23819151

डीआरडीओ द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अपने प्रयोगशालाओं और स्थापनाओं में व्याख्यानों, आशुभाषणों और खुली गृह (ओपन हाउस) गतिविधियों के माध्यम से 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। रक्षा विज्ञान फोरम (डीएसएफ) ने डीआरडीओ भवन में एक विशेष समारोह का आयोजन किया। रक्षा आर एण्ड डी विभाग के सचिव एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, डॉ समीर वी कामत ने समारोह की अध्यक्षता की। भारतीय प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के निदेशक, प्रो0 रंगन बनर्जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, डॉ जी सतीश रेड्डी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस वर्ष के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का शीर्षक 'वैश्विक उत्थान के लिए वैश्विक विज्ञान' था। अध्यक्ष डीआरडीओ ने इस अवसर पर वैज्ञानिक समुदाय को बधाई दी और उत्पादों/प्रौद्योगिकी सेवाओं में गुणवत्तात्मक प्रदान करने के लिए विज्ञान के प्रति प्रतिबद्धता की महत्ता के बारे में बात की।

श्रोताओं को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री के सलाहकार ने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान बहुत जरूरी है ताकि अपनी तरह के पहले उत्पाद विकसित किए जा सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौलिक विज्ञान पर विशेष तौर पर ध्यान आकृष्ट किया जाना चाहिए ताकि नई, नवोन्नत प्रौद्योगिकियां और प्रणालियां विकसित की जा सकें।

प्रो0 बनर्जी ने 'विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग– आईआईटी दिल्ली से एक नया दृष्टिकोण' शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने विश्व की समस्याओं के समाधान खोजने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग की महत्ता को उजागर किया। उन्होंने सहक्रियाओं व आपसी सहयोग की पहचान करने तथा विचारों को रूपांतरित करने हेतु एक सुसंगत पारिस्थितिकी सृजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने डीआरडीओ और आईआईटी दिल्ली के सफल संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी, जिसने अनुसंधान प्रयासों को सफल बनाया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि डीआरडीओ को अनुसंधान के प्रमुख सामरिक व रणनीतिक क्षेत्रों में एक उत्प्रेरक (कैटलिस्ट), विवेकशील अग्रज, और सुविधाकारक के रूप में कार्य करना चाहिए।

डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से कुल 39 आशुभाषण शोधपत्र प्राप्त किए गए, जिनमें से तीन को डीआरडीओ विज्ञान दिवस आशुभाषणों के रूप में प्रस्तुतीकरण के लिए चयनित किया गया। हैदराबाद से श्री हरी सिंह, वैज्ञानिक 'एफ'; बेंगलूरु से श्री लक्ष्मण मवानी, वैज्ञानिक 'ई' और दिल्ली से श्री कुमार व्योनकेश मणि, वैज्ञानिक 'ई' ने रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में अपने–अपने संबंधित कार्यक्षेत्रों के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिए। प्रो0 बनर्जी ने आशुभाषण विजेताओं को प्रस्तुतीकरण हेतु पदक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए। डीआरडीओ साईंस स्पेक्ट्रम, डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से प्राप्त समस्त वैज्ञानिक शोधपत्रों के संकलन (राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 के लिए) को इस अवसर पर विमोचित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन द्वारा 1928 में की गई खोज ''रमन प्रभाव'' की याद में प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को मनाया जाता है, इसके लिए उन्हें 1930 में नोबल पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया था। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य व प्रयोजन है आम नागरिकों में वैज्ञानिक सोच व प्रेरणा को आत्मसात करके उनके बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाना, उसे बढ़ावा देना तथा नवोन्मेषी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना। डीआरडीओ के लिए डीएसएफ एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहाँ विभिन्न विषयों के वैज्ञानिक अध्येतावृत्ति को बढ़ावा देने, भिन्न विषय शाखाओं के विद्वानों के साथ विचार. विमर्शों का आदान–प्रदान करने, और उन सभी अंतर विषयी परियोजनाओं; जिनके लिए विशेषज्ञता प्राप्त राय की आवश्यकता होती है, की व्यवहार्यता एवं योजना के बारे में एक दूसरे से चर्चा करते हैं।

डीआरडीओ मुख्यालय में समारोह मनाने के अलावा, उसकी निम्नलिखित प्रयोगशालाओं में भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन किया गया।

एसीईएम, नासिक

उन्नत ऊर्जा सामग्री केंद्र (एसीईएम), नासिक ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। डॉ पी के मेहता, पूर्व महानिदेशक (एसीई) को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री टी वी जगदीश्वर राव, वैज्ञानिक 'जी' एवं महाप्रबंधक, एसीईएम, और श्री आर एस पाटिल, जेडी, एचआरडी ने श्रोताओं का स्वागत किया और इस दिन की महत्ता के बारे में बताया। श्री एहतासिमुल हक, वैज्ञानिक 'सी' ने 'रियो–काइनेटिक स्ट्डी ऑफ प्राइमासेन ऐंड एचटीपीबी–बेस्ड कॉम्पोजिट प्रोपेलेंट्स' शीर्षक पर एनएसडी समारोह के दौरान आशुभाषण दिया। मुख्य अतिथि ने भी 'निर्माण कार्य सामग्रियों के विनिर्माण में उच्च ऊर्जा प्रणोदक अपशिष्ट के उपयोग पर अन्वेषण' पर एक शीर्षवार्ता प्रस्तुति की। महानुभावों द्वारा वर्ष 2022 के लिए एसीईएम के वार्षिक प्रतिवेदन का भी विमोचन किया गया।

सीएएस, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद ने 2 मार्च 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। श्री बी वी पापा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीएएस, ने अपने संबोधन में भारतीय नागरिकों द्वारा दिए गए योगदानों के बारे में बात की, जैसे कि शून्य का आविष्कार, दशमलव प्रणाली, रेखागणित, त्रिकोणमिति, आयुर्वेद और योग। श्री चो श्रीकांत, वैज्ञानिक 'ई' ने 'हाइपरसोनिक मिसाइलों का ऐरोडायनामिक लक्षणवर्णन' पर एनएसडी 2023 के दौरान आशुभाषण दिया जिसके लिए उन्हें निदेशक, सीएएस द्वारा एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखीकरण केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। श्री निशांत कुमार, वैज्ञानिक 'ई' ने 'वेब डेवलेपमेंट का भविष्यः नवीनतम प्रवृत्तियां एवं प्रौद्योगिकियां' पर एनएसडी 2023 के दौरान आशुभाषण दिया। उन्होंने उन उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में जो वेब विकास गतिविधि को प्रभावित कर रही हैं, और प्रौद्योगिकीय प्रवृत्तियों के बारे में चर्चा की जो वेबसाइटों और वेब पोर्टलों के भविष्य को बदलने वाली हैं। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने भी डेसीडॉक परिवार सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने रमन प्रभाव तथा एनएसडी दिवस मनाने की महत्ता के बारे में बात की।

दिहार, लेह

रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार), लेह (जम्मू एवं कश्मीर) ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर, डॉ ओ पी चौरसिया, निदेशक, दिहार ने इस दिवस की महत्ता को उजागर किया। डॉ विजय के भारती, वैज्ञानिक 'ई' ने 'उच्च तुंगता में भारवाही के रूप में ऊँट की दैहिकी एवं उनकी उपयुक्तता पर अध्ययन' के बारे में अपने अनुसंधान कार्य का प्रस्तुतीकरण किया। समारोह की अध्यक्षता जाने–माने वैज्ञानिक, प्रोफेसर दीनबंधु साहू, निदेशक, हिमालयी अध्ययन केंद्र, और वरिष्ठ प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने की, जिन्होंने 'जीवन शैली को प्रभावित करने वाली एस एण्ड टी गतिविधियां' पर एक व्याख्यान की प्रस्तुति की।

डॉ संजुक्ता साहू, प्रमुख, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, कलिंग औद्योगिकी प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी), भुवनेश्वर ने भी 'उच्च तुंगता के लिए जलवायु अनुकूल कंक्रीट' पर अपने व्याख्यान की प्रस्तुति की।

डीएलआरएल, हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ जहागिरदार, वैज्ञानिक 'एच', अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद द्वारा एक वार्ता की प्रस्तुति की गई। श्रीमती लक्ष्मी, वैज्ञानिक 'एफ', अध्यक्षा ने इस दिवस के महत्ता पर एक वार्ता की प्रस्तुति की। डॉ जहागिरदार ने 'रडार संबंधित प्रौद्योगिकियों में प्रवृत्तियां' तथा नई रडार संबंधी प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की और यह

बताया कि उन्हें रक्षा अनुप्रयोगों में कैसे उपयोग किया जा सकता है। वार्ताओं के उपरांत एक प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया।

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। डॉ पार्थ घोषाल, वैज्ञानिक 'जी', उन्नत सामग्री लक्षणवर्णन केंद्र/इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी समूह, ने 'नैनो एवं उन्नत सामग्रियों का विकासः सूक्ष्मदर्शी तकनीकों के द्वारा विज्ञान की खोज' शीर्षक पर एनएसडी 2023 आशुभाषण दिया। उनके व्याख्यान ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सूक्ष्मदर्शी तकनीकों के साथ विज्ञान की यात्रा पर उनके द्वारा दिए गए विस्तृत विवरण की सभी वैज्ञानिकों ने सराहना की। डॉ आर बालामुरली कृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक ने आशुभाषण की प्रस्तुति के उपरांत एनएसडी 2023 पदक प्रदान किया।

डीएसपी, हैदराबाद

विशेष परियोजना निदेशालय (डीएसपी), हैदराबाद ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन किया। सुश्री रुकमणि बांदा, वैज्ञानिक 'एफ' ने श्रोताओं का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान की। इस असवर पर माननीय मुख्य अतिथि डॉ बुर्रा जी सिद्धार्थ, सैद्धांतिकी भौतिक विज्ञानी एवं तारा भौतिक विज्ञानी और विभिन्न सिद्धांतों तथा शोध कार्यों के प्रणेता थे। डीएसपी के निदेशक, डॉ पी एस आर श्रीनिवास शास्त्री, और संयुक्त निदेशक, डॉ अनुपम शर्मा ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए इस अवसर की महत्ता को उजागर किया।

डॉ सिद्धार्थ ने क्लासिकल रमन से लेकर क्वांटम भौतिकी के जटिल फोटॉन तक नोबल पुरस्कार विजेता के भौतिक विज्ञान में शोध कार्यों तथा प्रयोगों एवं परीक्षणों की झलकों की प्रस्तुति की। यह कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा।

इनमास, दिल्ली

डॉ राशि माथुर, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'नैनो जैव सामग्रियाः उनके जैवचिकित्सीय अनुप्रयोगों हेतु एक सामग्री विज्ञान उपागाम' शीर्षक पर 28 फरवरी 2023 को नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 आशुभाषण की प्रस्तुति की। उन्होंने सामग्री विज्ञान के परिप्रेक्ष्य से जैवचिकित्सीय अनुप्रयोगों पर विशेष बल दिया। उन्होंने छलावरण और स्टेल्थ से लेकर जैवचिकित्सीय आई 21 इमेजिंग एवं थेराप्यूटिक्स क्षेत्र तक विविध अनुप्रयोगों के लिए सामग्रियों की उपयोगिता को उजागर किया। डॉ अनिल कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, इनमास ने आशुभाषण प्रस्तुतकर्ताओं को एनएसडी पदक और प्रशंसा पत्र प्रदान किए।

आईटीएम, मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। डॉ. डी के पांडा, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'असाल्ट राइफलों के बहु–घटक मूल्यांकन के लिए उभरते एल्गोरिथ्म' पर एक आशुभाषण दिया। श्री एस ए कट्टी, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, आईटीएम ने डॉ पांडा को एक पदक तथा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया। निदेशक, आईटीएम ने अपने संबोधन में हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान की महत्ता को उजागर किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक व्यक्ति में वैज्ञानिक सोच होनी चाहिए। कार्यक्रम को ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमानी, जीपी प्रमुख, तकनीकी समन्वय द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त किया गया।

आईटीआर, चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने अपने संबोधन के प्रारंभ में एस एण्ड टी की आधुनिक जीवन में महत्ता

को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि एस एण्ड टी का प्रत्येक दिन की गतिविधियों से अटूट संबंध हैं। उन्होंने आईटीआर में एस एण्डटी के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर विस्तृत रूप से चर्चा की। सुश्री बी सुचारिता, संयुक्त निदेशक ने 'वैश्विक उत्थान के लिए वैश्विक विज्ञान' शीर्ष के बारें में बात की और 'चल वस्तु की स्थिति की निगरानी करने और उसकी यथार्थता को बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रो–ऑप्टिक सेंसरों का प्राथमिकीकरण' पर एक आशुभाषण की प्रस्तुति की।

एमटीआरडीसी, बेंगलूरु

सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलूरु में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया गया। श्री साकेत खांडेकर, वैज्ञानिक 'ई' ने 'हाइ वोल्टेज पल्स्ड पावर्ड सिस्टम्स एक कंसेप्चुअल ओवरव्यू' पर एनएसडी 2023 आशुभाषण दिया। उन्हें एनएसडी प्रमाणपत्र एवं पदक से सम्मानित किया गया।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन किया जिसमें प्रो0 (डॉ) मोहन कुमार, संस्थापक निदेशक, एसीएआरआर, कोचिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी), कोच्चि ने 'बदलती जलवायु: कारण एवं परिणाम' पर एक आमंत्रित वार्ता की प्रस्तुति की। उन्होंने जलवायु में परिवर्तन लाने वाले कारकों, वैश्विक तापमान वृद्धि के कारणों, और भारत में तटवर्ती स्तरीय प्रबंधन की महत्ता के बारे में बताया।

डॉ मोहन कुमार ने कृषि, जल संसाधनों, मात्स्यिकी, समुद्री विविधता, और मानव स्वास्थ्य के प्रभाव पर भी चर्चा की। श्री सुरेश एम, वैज्ञानिक 'एच' एवं कार्यवाहक निदेशक ने श्रोताओं को संबोधित किया और प्रो0 मोहन कुमार को एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल; मुख्य अतिथि डॉ वी सेशु बाई, प्रोफेसर एमेरिटस, भौतिकी विद्यापीठ, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय; और सम्मानित अतिथि चिकित्सक रीयर एडमिरल आर रवि, कमांड चिकित्सा अधिकारी, पूर्वी नौसेना कमांड भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर, 'मार्क-II 200 एएच लिथियम आयन बैटरी प्रौद्योगिकी' को हस्तांतरित करने हेतु प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण बीईएल, पुणे के महाप्रबंधक श्री जी एस एन मूर्ति को सौंपा गया।

विद्यापीठों में नवोन्मेषों को बढ़ावा देने हेतु, एनएसटीएल 'वायरलेस ऊर्जा हस्तांतरण का प्रयोग करके इलेक्ट्रिक वाहनों की वायरलेस चार्जिंग' पर अपने आविष्कार को प्रस्तुत करने हेतु मिसेज मेरीयेडस उत्तर प्रदेश स्कूल के छात्रों को अवसर प्रदान करता है। परियोजना को अन्य सात ऐसी परियोजनाओं के साथ आंध प्रदेश से चयनित किया गया था जिन्हें मैकमिलन बडिंग वैज्ञानिक पुरस्कार 2022–23 के लिए भारतवर्ष से प्राप्त 4,000 नामांकनों में से अगले दौर के लिए चुना गया था।

टीबीआरएल, चंडीगढ़

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया गया। कार्यक्रम में, मुख्य अतिथि के रूप में डॉ शूजा ए, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, एवं उप निदेशक, त्रिवेंद्रम उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने 'इसरो अंतरिक्ष ओडिसी' पर एक आमंत्रित वार्ता की प्रस्तुति की और इसरो के विभिन्न अंतरिक्ष कार्यक्रमों के बारे में बताया। सुश्री रितु खुराना, वैज्ञानिक 'एफ' ने विज्ञान दिवस आशुभाषण दिया। उन्होंने 'डिटॉनिक मूल्यांकन के माध्यम से नए विस्फोटक संरूपणों का संपीड़ित विकास समय' अर्थात 'कम्प्रेसिंग डेवलेपमेंट टाइम ऑफ न्यू एक्सप्लोसिव फॉम्यूलेशन्स थ्रू डिटॉनिक इवेलुवेशन' पर एक वार्ता की प्रस्तुति की।

अधिकारी चयन के लिए भारतीय थल सेना बलों को संज्ञानात्मक बैटरी की सौंपी गई

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने भारतीय थल सेना बलों के कमिशन्ड रैंकों में प्रत्याशियों के चयन हेतु अधिकारी के चयन के लिए एक संज्ञानात्मक बैटरी (सीबीओएस 1.0) विकसित तथा मानकीकृत करके की। सीबीओएस 1.0 एक पूर्णतः कंप्यूटरीकृत प्रणाली है जिसमें आठ संज्ञानात्मक क्षमताओं का मूल्यांकन करने वाले परीक्षण शामिल हैं। सीबीओएस एक प्रयोक्ता–हिताय, मूल्यांकक–स्वतंत्र प्रणाली है जो स्वचालित रूप से अंक निर्धारण करके परिणाम दर्शाती है। डॉ गुरप्रीत कौर, वैज्ञानिक 'एफ', प्रधान अन्वेषक ने सीबीओएस पर एक परिपूर्ण व विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया।

सीबीओएस डॉ यू के सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं डीजी (एलएस) द्वारा ले जन एन एस सरना, एसएम, वीएसएम, महानिदेशक भर्ती, आईएचक्यू रक्षा मंत्रालय (थल सेना) को 21 मार्च 2023 को डॉ के रामचन्द्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीआईपीआर, और डॉ सौमी अवस्थी, वैज्ञानिक 'जी' एवं परियोजना निदेशक, तथा भारतीय थल सेना और भारतीय नौसेना से अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकं एवं सेवारत अधिकारियों की उपस्थिति में की गई थे। सीओएस 1.0 भारतीय नौसेना को भी सौंपा गया।

डीआरडीओ द्वारा बहुत ही छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली मिसाइल पर दो उड़ान परीक्षणों का संचालन

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बहुत ही छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) मिसाइल पर ओडिशा तट के पास स्थित एकीकृत परीक्षण परिसर, चांदीपुर में 14 मार्च 2023 को दो उड़ान परीक्षणों को सफलतापूर्वक संचालित किया। उड़ान परीक्षण एक भू–आधारित मानव पोर्टेबल लॉन्चर के द्वारा उच्च गति मानवरहित वायुवीय टारगेटों, विमान के पास आने और पीछे हटने की नकल की। टारगेटों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट करके मिशन के समस्त उद्देश्यों को प्राप्त किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष

अंतर्राष्ट्रीय मोटे अनाज (मिलेट) वर्ष 2023 के अवसर पर, संपदा प्रबंधन एकक (आर एण्ड डी), हैदराबाद द्वारा ''मोटे अनाज और उनके लाभ'' पर हैदराबाद में 7 मार्च 2023 को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रख्यात वार्ताकार पद्मश्री डॉ खादर वली, भारत के मिलेट अग्रदूत, ने एक वार्ता की प्रस्तुति की और वैज्ञानिक समुदाय का ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने यह सलाह दी कि स्वस्थ जीवन के लिए तथा स्वास्थ्य को कुप्रभावित करने वाले अनेक प्रकार के रोगों से बचने के लिए मोटे अनाजो का सेवन करना चाहिए।

इस कार्यक्रम में डीआरडीओ से बड़ी संख्या में कर्मियों तथा उनके परिवार सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम बहुत सफल रहा। कार्यक्रम के दौरान राइथु नेशथम ने स्टाल लगाए जहाँ किफायती मूल्य पर मोटे अनाज बेचे गए। कार्यक्रम में श्री जी ए श्रीनिवास मूर्ति, निदेशक, डीआरडीएल; डॉ शेख गौस मोहिद्दीन, संपदा प्रबंधक; और अध्यक्ष, राइथु नेशथम, तथा पद्मश्री वाई वेंकटेश्वरा राव ने भी भाग लिया।

एनएसटीएल में प्रयोगशाला विज्ञान परिषद की बैठक

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने अपनी विज्ञान परिषद की बैठक 17 जनवरी 2023 को की। प्रयोगशाला विज्ञान परिषद द्वारा आयोजित तकनीकी वार्ताओं की श्रृंखला के भाग के रूप में, श्री एस एल श्रीनिवास, वैज्ञानिक 'ई' ने 'नॉन कॉन्टेक्ट क्रॉस मीडियम कनेक्शन' पर एक वार्ता की प्रस्तुति की। डॉ के राघवेन्द्र राव, एक प्रसिद्ध फिल्म निदेशक, और प्रोड्यूसर ने भी एक वार्ता की प्रस्तुति की। उन्होंने डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित किए जा रहे शस्त्रों के प्रयोक्ताओं (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) के साथ चलचित्रों व सिनेमाओं की तुलना की। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय को यह सुझाव दिया कि वे मजबूत सकारात्मक मनोवृत्ति के साथ राष्ट्र को सर्वोत्तम आउटपुट समर्पित करें। उन्होंने यह कहकर अपनी बात समाप्त की कि 'हमारे सिनेमा जगत की सर्जनात्मकता आपके वैज्ञानिक जगत के नवोन्मेषों के साथ सफलता हासिल कर सकती है'।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल ने की। सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों, अधिकारियों, और कर्मचारीगणों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

रक्षा सुरक्षा कोर दिवस

रक्षा सुरक्षा कोर (डीएससी) की देशभर में शांति तथा युद्ध, दोनों स्थितियों के दौरान रक्षा संस्थापनाओं, डिपो, और स्थापनाओं के रक्षोपाय एवं संरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण और अहम भूमिका है। देश के भीतर और बाहर से खतरा हाल ही के वर्षों

में कई गुना बढ़ गया है। रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 26 फरवरी 2023 को अपना 76वां रक्षा सुरक्षा कोर दिवस मनाया। डॉ आर बालामुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल ने प्रयोगशाला के अन्य गणमान्य अतिथियों तथा डीएससी के सैन्य टुकड़ियों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत एक स्वागत भाषण के साथ हुई जिसके बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया और निदेशक, डीएमआरएल द्वारा एक अभिप्रेरणीय वक्तव्य दिया गया। पुरस्कार वितरण

के उपरांत सैन्य टुकड़ियों के साथ बारा खन्ना द्वारा कार्यक्रम का समापन किया।

सीएएस की गृहपत्रिका 'लक्ष्य' के प्रथम अंक का विमोचन

श्री बी वी पापा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीएएस के कर कमलों से 20 मार्च 2023 को उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद की गृहपत्रिका 'लक्ष्य' के प्रथम अंक का विमोचन हुआ।

इस अवसर पर श्री बीवी पापा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशकय श्री संदीप चट्टोपाध्याय, सह–निदेशकय श्री प्रवीण टंडन, सह–निदेशक एवं गृहपत्रिका 'लक्ष्य' के प्रधान संपादक श्री प्रमोद कुमार झा मंचासीन थे।

श्री प्रमोद कुमार झा ने सभा का स्वागत किया। उन्होंने गृहपत्रिका में संकलित लेखों के लेखकों एवं संपादक मंडल को धन्यवाद दिया तथा उपस्थित कार्मिकों से अनुरोध किया कि अगामी अंकों में भी ऐसे ही सहयोग देते रहें। श्री प्रवीण टंडन ने गृहपत्रिका के प्रकाशन

से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। श्री बीवी पापा राव ने सीएएस की गृहपत्रिका 'लक्ष्य' के प्रथम अंक के विमोचन पर सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा संपादक मंडल को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम का संचालन श्री निखिल कुमार कुशवाहा, वैज्ञानिक–बी ने किया। श्री प्रमोद कुमार झा, श्री अरविंद कुमार कुशवाहा, श्री निखिल कुमार कुशवाहा, श्री सुग्रीव कुमार गौतम, श्री किरण केसकर, श्री गुर्रम नागराजु, श्री मेश्राम अनुराग धनराज एवं श्री वैभव सिंह गौड़ ने गृहपत्रिका 'लक्ष्य' का संपादन किया।

स्थापना दिवस समारोह

डील, देहरादून

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून ने अपना स्थापना दिवस 23 फरवरी 2023 को बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए, विभिन्न खेल

प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबाल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, फील्ड गतिविधियां, आदि शामिल की गईं। डील के कर्मियों ने बडी संख्या में इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। म्यूजिकल चेयर के साथ एक शो स्टॉपर अर्थात प्रभावशाली संगीतमय बाल खेल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों ने थल सेना के बैंड प्रदर्शन के साथ भाग लिया।

डॉ बी के दास, महानिदेशक (ईसीएस) ने अभिप्रेरणीय संबोधन देते हुए कर्मियों से आग्रह किया कि वे अमृत काल में राष्ट्र को अपना शतप्रतिशत योगदान दें। श्री एल सी मंगल, निदेशक, डील ने 2022 में प्राप्त की गई उपलब्धियों तथा आने वाले वर्षों के लिए योजना के बारे में बताया।

डॉ दास, एल सी मंगल, श्री अजय कुमार, निदेशक आईआरडीई तथा अन्य महानुभावों ने विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

सायंकाल में, मनमोहक संगीत के साथ डील के कर्मियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कलाकृति–2023' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हमारे देश की विविध संस्कृति को प्रदर्शित किया गया।

इनमास, दिल्ली

नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान (इनमास), दिल्ली ने अपना 62वां वार्षिक दिवस 3 मार्च 2023 को मनाया। डॉ उपेन्द्र कुमार सिंह, महानिदेशक (एलएस), डीआरडीओ इस अवसर पर मुख्य अतिथि थें। डॉ ए के मिश्रा, निदेशक, इनमास ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कोविड–19 महामारी के प्रबंधन सहित विभिन्न वैज्ञानिक प्रयासों में इनमास द्वारा किए गए असाधारण प्रयासों को उजागर किया। उन्होंने प्रयोगशालाओं की हाल ही की उपलब्धियों पर बात की और इनमास के भावी विज़न एवं विकास मार्ग के बारे में बताया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कोविड–19 प्रबंध और थेराप्यूटिक विकास में इनमास के अद्भुत योगदान की प्रशंसा की। 'ब्रेक द बैरियर–वॉक ऐंड टॉक विद डीजी (एलएस)' पहल के तहत डीआरडीएस, डीआरटीसी, और प्रशासन एवं संबद्ध संवर्गों से इनमास के कई कर्मियों ने उनसे बातचीत की। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि ने इनमास के उन मेधावी कर्मियों का उनके उत्कृष्ट योगदानों के लिए अभिवादन किया जिन्होंने 25 वर्षों की सेवा पूरी कर ली थी।

इनमास के स्थापना दिवस समारोह के दौरान डॉ ए के मिश्रा, निदेशक, इनमास एवं डॉ उपेन्द्र कुमार सिंह, महानिदेशक (एलएस)

आईटीएम, मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी ने अपना 61वां स्थापना दिवस 24 फरवरी 2023 को मनाया।

कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि, स्वामी असीमात्मानन्द अध्यक्ष रामकृष्ण मिशन, देहरादून; सम्मानित अतिथि श्री संगम सिन्हा, और श्री एस ए कट्टर, निदेशक, आईटीएम ने किया। अपने संबोधन में, श्री सिन्हा ने आईटीएम द्वारा राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्ता को उजागर किया।

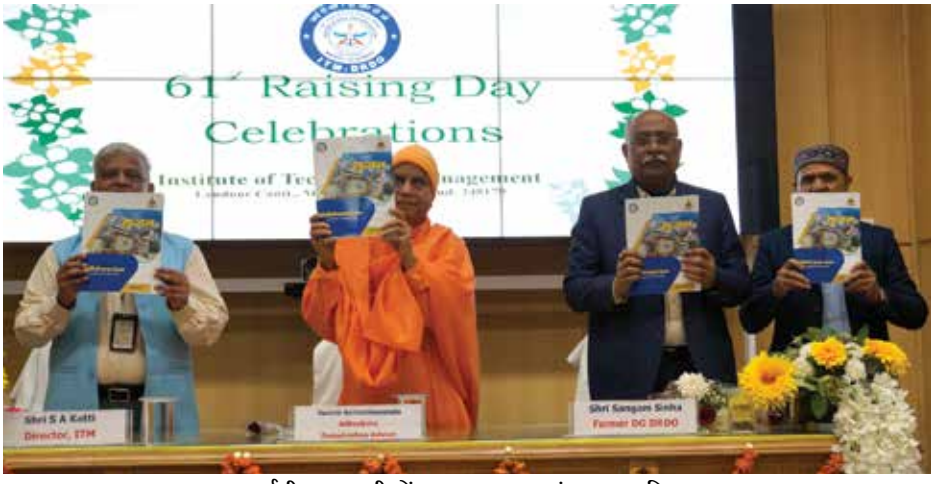

आईटीएम, मसूरी में इनमास का 61वां स्थापना दिवस

तत्पश्चात, मुख्य अतिथि स्वामी जी ने श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में तथा इस ग्रह में सभी के कल्याण के लिए हमारे सभी कार्य समान लक्ष्य की दिशा में होने चाहिए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध उद्धरण ''मानव की सेवा, ईश्वर की अराधना'' पर भी बल दिया।

समारोह के भाग के रूप में, विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जैसे कि

फोटोग्राफी, स्लोगन, क्विज। कार्यक्रम के दौरान हिंदी पत्रिका 'श्रीजन' का विमोचन किया गया। श्री कट्टी ने मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि की कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद किया। कार्यक्रम को श्रीमती अनिता मोहिंद्रा, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त किया गया।

एसएसपीएल, दिल्ली

ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली ने अपना 61वां स्थापना दिवस 01 मार्च 2023 को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एण्ड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, और सुश्री सुमा वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं डीजी (एमईडी, सीओएस एवं सीएस) की गरिमामयी उपस्थिति थी, जो कार्यक्रम में क्रमशः मुख्य अतिथि तथा सम्मानित अतिथि थे। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि ने गत वर्षों के दौरान एसएसपीएल द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों की भूरि–भूरि प्रशंसा की और यह कामना की कि एसएसपीएल के 75 वर्षों के दृष्टिगत, डीआरडीओ को एसएसपीएल की उपलब्धियों से भी जाना जाए। सुश्री वर्गीस ने एसएसपीएल द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और वर्तमान तथा भावी क्रियाकलापों व गतिविधियों को दक्षता के साथ निष्पादित करने के लिए कड़ी मेहनत करने पर बल दिया। दोनों सम्मानित अतिथियों ने एसएसपीएल के उत्पादों की प्रदर्शनी का भी दौरा किया तथा प्रयोगशाला के प्रयासों की प्रशंसा की।

डॉ सीमा विनायक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एसएसपीएल ने श्रोताओं को संबोधित किया तथा प्रयोगशाला की वर्ष 2022 में उपलब्धियों के विहंगावलोकन को प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रयोगशाला द्वारा की जाने वाली आवश्यक भावी गतिविधियों को भी उजागर किया। महानुभावों द्वारा एसएसपीएल के वार्षिक प्रतिवेदन 2022 और हिंदी पत्रिका 'प्रतिबिंब' का भी विमोचन किया। इस अवसर पर प्रयोगशाला के हवास का भी विमोचन किया गया।

टीबीआरएल, चंडीगढ़

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ ने अपना 63वां स्थापना दिवस 20 मार्च 2022 को टीबीआरएल परिसर, रामगढ़, जिला, पंचकुला में मनाया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एण्ड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने टीबीआरएल की भूमिका तथा उपलब्धियों की प्रशंसा की और उद्योग एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ संवाद बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में बताया। अपने संबोधन में, उन्होंने आयुधों व हथियारों और परिरक्षी प्रणालियों के परीक्षण तथा मूल्यांकन के क्षेत्र में कार्य कर रहे वैज्ञानिकों की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि टीबीआरएल में परीक्षण सुविधाओं को मेक इन इंडिया में समर्थन देने हेतु भारतीय उद्योगों, आर एण्ड डी संस्थाओं तथा शैक्षणिक संस्थाओं तक विस्तारित किया जा रहा है।

डॉ बी एच वी एस नारायण मूर्ति, महानिदेशक (एमएसएस) एवं श्री के एस वराप्रसाद, डीजी (एचआर) सम्मानित अतिथि थे। डॉ नारायण मूर्ति ने टीबीआरएल को बधाई देते हुए, आगामी पीढ़ी की प्रौद्योगिकियां विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि सभी क्षेत्रों में बुद्धिमान एवं प्रतिभावान युवाओं को शिक्षित प्रशिक्षित किया जा सके। इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए श्री वराप्रसाद ने उन सभी पूर्व निदेशकों की भूमिका एवं योगदानों की प्रशंसा की जिन्होंने भावी विकास के लिए विज़न को रूपरेखा देकर एक रोड मैप उपलब्ध कराया।

मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए, प्रो0 प्रतीक किशोर, निदेशक, टीबीआरएल ने प्रयोगशाला द्वारा वर्ष 2022 में हासिल की गई उपलब्धियों तथा 2023 के लिए टीबीआरएल की योजनाओं को उजागर किया। उन्होंने शैक्षणिक संस्थाओं और उद्योग के साथ संवाद एवं वार्ताओं के विवरणों के बारे में बताया। विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए क्षमता एवं सक्षमताओं का संवर्धन करने हेतु एक विस्तृत योजना का भी प्रस्तुतीकरण किया गया।

टीबीआरएल द्वारा विकसित मल्टीमोड हैंड ग्रेनेड (एमएमएचजी) को भारतीय थल सेना में पदार्पित किया गया है; टीओटी धारकों द्वारा 9 लाख से अधिक एमएमएचजी का उत्पादन किया गया है। इस अवसर पर, एमएमएचजी के संचालन के लिए जिम्मेदार प्राधिकारी के सीलबंद विवरण अर्थात अथोरिटी होल्डिंग सील्ड

पार्टिकुलर (एएचएसपी) नियंत्रक गुणवत्ता आश्वासन (ए) को हस्तांतरित किए गए, जब डॉ कामत और ले जनील आर एस रीन, महानिदेशक, डीजीक्यूए उपस्थित थे।

स्थापना दिवस समारोह के दौरान, कर्मियों को टीबीआरएल/डीआरडीओ में 25 वर्षों की सेवा को सफलता के साथ पूर्ण करने के लिए सम्मानित किया गया तथा कर्मियों के उल्लेखनीय योगदानों के लिए उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम को टीबीआरएल के कर्मियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समाप्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान, टीबीआरएल के पूर्व निदेशक, श्री एम बालाकृष्णन; डॉ सतीश कुमार; डॉ मंजीत सिंह और डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के निदेशक तथा डीआरडीओ मुख्यालय से कॉरपोरेट डायरेक्टर भी उपस्थित थे।

टीबीआरएल, चंडीगढ़ में स्थापना दिवस समारोह के दौरान मल्टीमोड हैंड ग्रेनेड के एएचएसपी की भारतीय थल सेना को सुपुर्दगी

जेसीएम-III स्तरीय डीआरडीओ परिषद की बैठक 20 मार्च 2023 को सचिव, डीडी आर एण्ड डी और अध्यक्ष, डीआरडीओ की अध्यक्षता में हुई। आधिकारिक पक्ष से महानिदेशक (एचआर), महानिदेशक (आरएम) तथा डीआरडीओ मुख्यालय से कॉरपोरेट डायरेक्टर तथा कर्मचारियों के पक्ष से 40 से अधिक पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया ताकि कर्मियों से संबंधित मुद्दों को हल किया जा सके।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह-2023 समारोह

सीएएस, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद ने 4–10 मार्च 2023 के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 मनाया। श्री जी रामागुरु, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, कार्यक्रम निदेशक, अग्नि एवं संयुक्त निदेशक, एएसएल (सेवानिवृत्त), हैदराबाद, और श्री आनंदा मुरुगन, वैज्ञानिक 'एफ', एआरडीई, पुणे के सुरक्षा ग्रुप प्रमुख को क्रमशः मुख्य अतिथि और अतिथि वार्ताकार के रूप में आमंत्रित किया गया था। सीएएस, बीडीएल, और एसएसक्यूएजी के अधिकारियों तथा कर्मचारियों सहित स्थापना के सभी कर्मियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अनुसार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की शपथ ली। श्री बी वी पपा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीएएस ने अवांछित घटनाओं को रोकने हेतु रणनीतिपरक प्रणालियों के एकीकरण एवं उत्पादन के लिए डीआरडीओ द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षा दिशानिर्देशों की महत्ता को उजागर किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 ''हमारा लक्ष्य–शून्य नुकसान'' शीर्षक की प्रासंगिकता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि ने अग्नि प्रणाली विकास के दौरान सुरक्षा के लिए अभियांत्रिक नियंत्रण उपायों को उजागर किया। श्री प्रवीन टंडन, सुरक्षा अध्यक्ष एवं संयुक्त निदेशक, सीएएस, ने 'एसआईएमओपीएस फंडामेंटल' पर एक व्याख्यान दिया तथा मुख्य अतिथि ने 'गोला–बारूद एवं विस्फोटक भंडारों के सुरक्षा पहलु' पर एक वार्ता की प्रस्तुति की।

कार्यक्रम में श्री कुमार अमन आनंद, वैज्ञानिक 'डी', सुरक्षा प्रमुख, सीएएस द्वारा समन्वय एवं आयोजन किया गया।

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखीकरण केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 का आयोजन 4–10 मार्च 2023 के दौरान किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 कार्यक्रम का लक्ष्य एक सकारात्मक सुरक्षा संस्कृति का निर्माण करना, कर्मियों को कार्यस्थल को सुरक्षित बनाने हेतु प्रोत्साहित करना, और विभिन्न सुरक्षा गतिविधियों में कर्मियों की प्रतिभागिता को बढ़ाने पर था। श्री पंकज चावला, वैज्ञानिक 'डी', सीएफईईएस ने 'अग्निशमन सुरक्षा जागरुकता' पर 9 मार्च 2022 को एक वार्ता की प्रस्तुति की। इस अवसर पर, निदेशक, डेसीडॉक, डॉ के नागेश्वर राव ने सभी कर्मियों को स्वयं की देखभाल करने, अग्निशमन मानदंडों का अनुसरण करने, और सकारात्मक अग्निशमन परिवेश निर्मित करने की सलाह दी।

कर्मियों ने सुरक्षा एवं स्वास्थ्य शपथ ली, जो श्रीमती अल्का बंसल, प्रमुख, अग्निशमन प्रभाग द्वारा दिलाई गई।

''सुरक्षा खतरों' तथा कर्मियों को संभावित खतरों और बरते जाने वाले पूर्वोपायों से जागरुक करने के लिए एक विडियो भी प्रदर्शित किया गया। सुरक्षा सप्ताह के दौरान, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, और स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। श्री नरेन्द्र कुमार, सुरक्षा अधिकारी ने इन गतिविधियों में समन्वय किया।

डेसीडॉक, दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह

डीक्यूआरएस, डीआरडीओ मुख्यालय, दिल्ली

कर्मियों के बीच सुरक्षा से संबंधित जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न कलस्टर प्रयोगशालाओं में कार्यरत सुरक्षा व्यावसायिकों द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 का आयोजन 4–10 मार्च 2023 के दौरान किया गया। गुणवत्ता, विश्वसनीयता, और सुरक्षा निदेशालय (डीक्यूआरएस एवं एस) ने राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 के उदघाटन सत्र का आयोजन डीआरडीओ मुख्यालय में 6 मार्च 2023 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया गया। निदेशक, डीक्यूआर एवं एस, रियर एडमिरल रंजीत सिंह द्वारा दिए गए स्वागत संबोधन के उपरांत महानिदेशक (पीसी एवं एसआई), डॉ चन्द्रिका कौशिक ने अपना संबोधन दिया। डॉ एस पी गर्ग, सलाहकार एचएसई, पूर्व कार्यकारी निदेशक, गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा 'संव्यहारात्मक आधरित सुरक्षा उपागम' पर, और श्री सुमित रॉय, निदेशक (सुरक्षा), आरएलआई, डीजीएफएएसएलआई द्वारा 'व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए नियामक फ्रेमवर्क' पर वार्ताएं भी आयोजित की गईं। इस अवसर पर क्वेस्ट अर्द्धवार्षिक पत्रिका (6वां अंक) का भी विमोचन किया गया।

डीआरडीओ मुख्यालय दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह के दौरान अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'क्वेस्ट' का विमोचन

इनमास, दिल्ली

52वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह के भाग के रूप में, सुश्री दीप्ति बोस, वैज्ञानिक 'एफ', अग्नि, पर्यावरण एवं विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस), दिल्ली ने 'अग्नि एवं पर्यावरणीय सुरक्षाः मुद्दे एवं निवारण' पर नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध' विज्ञान में 9 मार्च 2023 को निदेशक, इनमास और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कर्मचारियो की उपस्थिति में एक तकनीकी प्रस्तुति की।

सुश्री दीप्ति बोस, वैज्ञानिक 'एफ', को इनमास दिल्ली में सुरक्षा दिवस समारोह के दौरान डॉ ए के मिश्रा, निदेशक, इनमास द्वारा सम्मानित किया गया

आईटीआर, चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 का आयोजन 10 मार्च, 2023 को किया गया। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने आईटीआर के सभी कर्मियों को सुरक्षा एवं स्वास्थ्य पर शपथ दिलाई और परिसर परिदृश्यों में सुरक्षा की महत्ता को उजागर किया। आईटीआर परिसरों के भीतर तथा उनसे बाहर सुरक्षा बैनरों के डिस्प्ले के साथ विभिन्न प्रतियोगिताएं, जैसे कि क्विज़, निबंध लेखन, और पोस्टर. निर्माण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस अवसर पर, आईटीआर के टारगेट सिस्टम ग्रुप को वर्ष 2022–23 के लिए सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा कंसियस ग्रुप घोषित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ एस के साहू, वैज्ञानिक 'एफ', ग्रुप निदेशक (एफआई एवं ईएस), अध्यक्ष सुरक्षा समिति, और उनकी टीम ने किया।

आईटीआर, चांदीपुर में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 का आयोजन 4–10 मार्च 2023 के दौरान किया। समारोह मुख्य रूप से कार्यस्थल पर सुरक्षा जागरुकता फैलाने पर केंद्रित था। डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल; श्री जी श्रीनिवास राव, सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक,

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह

एनटीपीसी; और श्री के टी पी रुद्राप्पा, वरिष्ठ प्रबंधक, आरआईएनएल (विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र) भी इस अवसर पर उपस्थित थे। अतिथि वार्ताकारों, श्री जी श्रीनिवास राव ने 'सुरक्षा फिलोस्पी एवं जोखिम प्रबंधन' पर तथा श्री के टी पी रुद्राप्पा ने 'संव्यहारात्मक–आधारित सुरक्षा' पर अनुबोधक पारस्परिक.संवादात्मक सत्र वार्ता की प्रस्तुति की।

श्री एन रवि कुमार, प्रमुख (सुरक्षा); श्री आर श्रीहरी, ग्रुप निदेशक (सुरक्षा); श्री बी वी एस एस कृष्ण कुमार, संयुक्त निदेशक, और एनएसटीएल के कर्मियों ने समापन कार्यक्रम में भाग लिया।

डीआईपीआर में तीनो सेनाओं की बैठक

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली में 19 जनवरी 2023 को तीनों सेनाओं की एक बैठक आयोजित की गई जहाँ प्रयोक्ता की आवश्यकताओं तथा भावी मार्ग पर चर्चा की गई। बैठक का आयोजन डॉ यू के सिंह, महानिदेशक (एलएस) की अध्यक्षता में हुई जिसमें मेजर जनरल डी आर राय, वीएसएम, एडीजी; सेवानिवृत्त हो रहे वायुसेना मार्शल एस श्रीनिवास, वीएसएम, एसीएएस (पीओ), रियर एडमिरल संजय भल्ला, एनएम, एसीओपी (एचआरडी), तीनों सेनाओं से वरिष्ठ प्रतिनिधि, और डीआईपीआर से वैज्ञानिक एवं सेवा अधिकारियों ने भाग लिया। डीआईपीआर में संचालित किए जा

रहे अनुसंधान की प्रशंसा करते हुए, तीनों सेनाओं ने नई आवश्यकताओं के बारे में चर्चा की और अपने निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

विश्व आटोमोबाइल दिवस समारोह

विश्व आटोमोबाइल दिवस के अवसर पर, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे ने एचईएमआरएल परिसरों में 30 जनवरी 2023 को एक दिवसीय निःशुल्क वाहन (केवल चार पहिया वाहनों के लिए) जांच शिविर का आयोजन किया गया। जांच में, वाहन की सामान्य स्थिति का मूल्यांकन करना तथा कोई भी सेवा की सिफारिश या रखरखाव को शामिल किया गया। भिन्न प्रकार के मॉडलों के 32 चार पहिये वाले वाहनों की जांच की गई, और उनके मालिकों को उस सेवा के बारे में बताया गया जिसकी उन्हें आवश्यकता हो सकती है। इसके अलावा, यांत्रिक परिवहन (एमटी) तकनीशियनों ने सुरक्षा तथा दक्षतापूर्ण ड्राइविंग के लिए वाहन के मालिक को विभिन्न तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की।

मिशन कर्मयोगी के तहत वार्षिक क्षमता निर्माण योजना पर कार्यशाला

मानव संसाधन विकास निदेशालय (डीएचआरडी), डीआरडीओ मुख्यालय ने नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली ने मिशन कर्मयोगी के तहत इनमास, दिल्ली में 1–2 मार्च 2023 के दौरान एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। भारत सरकार की पहल के भाग के रूप में, क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) का गठन किया गया ताकि मिशन कर्मयोगी के विज़न को साकार किया जा सके और सरकारी कर्मियों के कौशलों में सुधार लाया जा सके तथा उनके सोच.विचार दृष्टिकोण का आधुनिकीकरण किया जा सके।

कार्यशाला में भारत के क्षमता निर्माण आयोग के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुतीकरण दिए गए। कार्यशाला का आयोजन उत्तर क्षेत्र में स्थित विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के कर्मियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान (टीएनआई) करने के लिए किया गया। डीआरडीएस, डीआरटीसी, और डीआरडीओ की 19 प्रयोगशालाओं से प्रशासनिक/संबद्ध संवर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे 158 कर्मियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

एनएसटीएल में हिंदी कार्यशाला

वार्षिक हिंदी कार्यक्रम के भाग के रूप में, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 'संत कबीरदास की कविताओं के माध्यम से निजी विकास' पर 13 जनवरी 2023 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ चाला कृष्णवीर अभिशेक, सहायक प्रोफेसर, आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम को अतिथि वार्ताकार के रूप में आमंत्रित किया गया। उनका स्वागत डॉ जी वी कृष्ण कुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं जीडी (एमएस, एमएम, एफटी) ने किया। उन्हें श्री पी वी एस गणेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक ने सम्मानित किया। श्री विवेक शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' एवं राजभाषा अधिकारी ने अतिथि वार्ताकार को, प्रतिभागियों तथा आयोजन टीम को धन्यवाद दिया।

विखण्डनीय गोला-बारूद की चरम प्राक्षेपिकियों पर पाठ्यक्रम

'विखण्डनीय गोला–बारूद की चरम प्राक्षेपिकियां' पर चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ ने 22–24 फरवरी 2023 के दौरान एक निरंतर शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया ताकि प्रतिभागियों को युद्ध ास्त्रों के डिजाइन की सैद्धांतिकी एवं भिन्न आवश्यकताओं, उनके विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेप्स, और उनके भिन्न प्रदर्शन मूल्यांकन तकनीकों के बारे में जानकारी व ज्ञान प्रदान किया जा सके।

पाठ्यक्रम का उदघाटन श्री परवेन्द्र कुमार, डीआरडीओ अध्येता, द्वारा किया गया। उन्होंने ने 'चरम प्राक्षेपिकियों से परिचय' पर एक आमंत्रित वार्ता की प्रस्तुति की। पाठ्यक्रम में बीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

टीबीआरएल से वार्ताकारों और डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं से कुछ वार्ताकारों ने फ्रैगमेंटिंग युद्धास्त्रों के डिजाइन एवं विकास में आधुनिक व नववीनतम प्रवृत्तियों पर तथा उनके प्रदर्शन मूल्यांकन तकनीकों पर अपना ज्ञान एवं अनुभव साझा किया। कार्यक्रम के दौरान अन्य महत्वपूर्ण विषयों, जैसे कि विस्फोटकों के चयन, विस्फोटक सुरक्षा, असंवेदनशील शस्त्रों, और आधुनिक शस्त्रों के लिए अन्य आयुधों जेसे विषयों को शामिल किया गया।

'धात्विक बायो-इम्प्लांट्स: योगात्मक विनिर्माण की भूमिका' पर कार्यशाला

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 'धात्विक बायो–इम्प्लांट्सः योगात्मक विनिर्माण (एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग) की भूमिका' पर 6 जनवरी 2023 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ ए वेणुगोपाल रेड्डी, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, आरसीएमए (सामग्रियां), और श्री एस रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'जी', डीएमआरएल ने शीर्ष व्याख्यान दिए। प्रोफेसर सिवा राम कृष्ण, ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, और प्रोफेसर फाल्गुनी पाती, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद ने क्रमशः विभिन्न धात्विक और गैर–धात्विक इम्प्लांट्स के लिए योगात्मक विनिर्माण में नवीनतम विकासों पर चर्चा

की। एक पूर्णकालिक चर्चा भी आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ जी मधुसूदन रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल ने की।

चर्चा के दौरान, इम्प्लांट्स के प्रमाणन से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया गया, और सभी हितधारकों ने समन्वित प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया।

संचार ऐन्टीना में उभरती प्रवृत्तियों पर पाठ्यक्रम

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून ने संचार ऐन्टीना में उभरती प्रवृत्तियों पर 16–18 जनवरी 2023 के दौरान एक तीन दिवसीय निरंतर शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

डीआरडीओ, उद्योगों (बीईएल गाजियाबाद, आरडीके टेक सॉल्यूशन्स दिल्ली, और एन्टूप्ले अहमदाबाद), और शैक्षणिक संस्थानों (आईआईटी, रूड़की एवं आईएमएसईसी, गाजियाबाद) से विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा कुल ग्यारह वार्ताओं की प्रस्तुति की गई।

पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनेक विषयों को शामिल किया गया, जैसे कि ऐन्टीना का ओवरव्यू, फेज्ड ऐरे ऐन्टीना, ईडब्ल्यू ऐन्टीना, 6जी संचार के लिए टीएचजेड ऐन्टीना, कॉम्पेक्ट ऐन्टीना टेस्ट रेंज डिजाइन, रडार क्रास सेक्शन्स, रडार एवं सैटकॉम, आदि के क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी का उद्भव।

डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से कुल 28 प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सीबीआरएनई चिकित्सा प्रबंधन पर प्रशिक्षण

रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजीकल, और परमाणु, आपातकालीन (सीबीआरएनई) चिकित्सा प्रबंधन पर नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान (इनमास), दिल्ली ने 30 जनवरी 2023 से 2 फरवरी 2023 के दौरान एक वास्तविक अभ्यासिक प्रशिक्षण अर्थात हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग का आयोजन किया गया।

इस चार दिवसीय प्रशिक्षण में विभिन्न संगठनों के चिकित्सकों ने भाग लिया। डॉ उपेन्द्र कुमार सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस) ने अन्य लाइफ साइंसिस कल्सटर प्रयोगशालाओं से आए महानुभावों की उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यशाला का उदघाटन किया।

प्रशिक्षण मुख्य रूप से वास्तविक अभ्यास पर केंद्रित था। सभी प्रतिभागियों को वैध प्रमाणनों के साथ अमेरिकी हार्ट एसोसिएशन–प्रमाणित बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम प्रदान किए गए। एनडीएलएसएफ, जॉर्जिया, यूएसए द्वारा अनुमोदित बुनियादी आपदा लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक हिस्सा था। लेवल–ए पीपीई की डोनिंग को इनमास में पहली बार प्रदर्शित किया गया, जो कि जमीनी स्तर पर सीबीआरएन कार्यक्रम के प्रबंधन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण किसी भी सीबीआरएन घटनाक्रम से निपटने के लिए राष्ट्रीय क्षमता बढ़ाने हेतु चलाए गए टास्क प्रोजेक्ट का भाग था।

आईटीआर में आइकॉर्ट 2023

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर ने परिसर प्रौद्योगिकी पर तीसरे आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईकॉर्ट–2023) का आयोजन 23–25 फरवरी 2023 के दौरान किया। सम्मेलन का शीर्षक 'शस्त्र प्रणालियों का परीक्षण एवं मूल्यांकनः एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य' था और उसे हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। भारत को छोड़कर, विभिन्न देशों के गणमान्य व्यक्तियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

आईकॉर्ट–2023 अर्द्धवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का तीसरा संस्करण है। प्रथम आईकॉर्ट का आयोजन वर्ष 2019 में किया गया था। सम्मेलन का उदघाटन महानिदेशक (एमएसएस), डॉ बी एच वी एस नारायण मूर्ति ने पूर्व महानिदेशक, डॉ वी जी सेकरन; निदेशक, आईटीआर, श्री ए के रथ; और डीआरडीओ के अन्य कई उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में किया। शीर्ष वक्तव्य डॉ वी के सारस्वत, पूर्व सचिव डीआरडीओ एवं सदस्य, नीति आयोग और कुलपति जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने दिया।

एक औद्योगिक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसमें भारत और विदेश से 40 से अधिक उद्योगों तथा संस्थाओं ने अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया।

धात्विक संघटकों के योगात्मक विनिर्माण पर पाठ्यक्रम

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 'धात्विक संघटकों के योगात्मक विनिर्माण' पर 23–25 जनवरी 2023 के दौरान एक निरंतर शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का आयोजन किया। उदघाटन सत्र के दौरान, डॉ जी मधुसूदन रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल, ने योगात्मक विनिर्माण से निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार लाने में विभिन्न धातुकर्मीय पहलुओं की महत्ता पर जोर दिया तथा इस प्रौद्योगिकी से संबद्ध चुनौतियों को भी उजागर किया। इस पाठ्यक्रम में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से लगभग 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंत में, पाठ्यक्रम निदेशक श्री एस रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'जी' ने ऑब्जेक्टिव टेस्ट संचालित किया, और प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया ली गई।

आवरन एवं संक्षारण नियंत्रण में उन्नयनों पर कार्यशाला

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ ने कॉर्कोन इंस्टीट्यूट ऑफ कोरोशन (सीआईसी) और द् एसोसिएशन फॉर मैटिरियल्स प्रोटेक्शन ऐंड परफॉर्मेंस (एएमपीपी) के सानिध्य में 'समुद्री परिसंपत्तियों में आवरन एवं संक्षारण नियंत्रण प्रौद्योगिकियों में उन्नयन' पर 23–24 फरवरी 2023 के दौरान एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उदघाटन श्री पी टी रोजटकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने किया। कार्यशाला को मिश्रित मोड, यानी ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों रूपों में आयोजित किया गया।

श्री पियोट्रोवस्की इरिक मार्टिन, ग्लोबल बिजनेस डेवलेपमेंट मैनेजर, एएमपीपी ने एनएमआरएल में आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लिया। भारत तथा विदेश से नामचीन व्यक्तियों ने कार्यशाला के दौरान आवरन एवं संक्षारण नियंत्रण प्रौद्योगिकियों के बारे में व्याख्यान दिए। भारतीय नौसेना, मझगाँव डॉक, नौसेना निरीक्षण एजेंसियां, आईजीसीएआर कल्पक्कम, प्राइवेट इंडस्ट्रीज, और विभिन्न प्रयोगशालाओं से 68 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

26वीं पंजाब रेजिमेंट की सैन्य टुकड़ियों को अवधाव जागरुकता प्रशिक्षण

जिन क्षेत्रों में भारी मात्रा में बर्फ़ जमी रहती है, वहां अवधाव शीतकाल के दौरान सैन्य टुकड़ियों की गश्त व आवागमन तथा सैन्य कार्रवाइयों में बड़ी चुनौती पेश करता है। इसके फलस्वरूप, उनके आवागमन एवं समग्र स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा होता है। सैन्य तैयारियों को बढ़ाने हेतु, सियाचिन के मध्य एम ग्लेशियर में तैनात किए गए 26वीं पंजाब रेजिमेंट के आठ अधिकारियों को मौसम विज्ञान प्रेक्षकों के रूप में रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई), एमएमसी, सासोमा में 16–28 जनवरी 2023 के दौरान दो सप्ताह का संवर्ग प्रशिक्षण दिया गया। सैन्य टुकड़ियों को बर्फ़ एकत्र करने और मौसम विज्ञान डेटा, अवधाव सुरक्षा एवं बचाव कार्यविधियों, हिमपात–संवदेनशील

क्षेत्रों, और अवधाव एवं हिमपात के प्रति जागरुकता पर तकनीकी वार्ताओं की प्रस्तुति की गई। प्रशिक्षण से उन्हें इन क्षेत्रों में अपने दायित्वों को दक्षतापूर्वक निष्पादित करने में सहायता मिलेगी और इससे सियाचिन के हिम.संवेदनशील क्षेत्र में उनके मौजूदा तथा भावी दायित्वों हेतु तैयारियां भी बढ़ जाएंगी।

एनपीओएल के सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के लिए इनहाउस पाठ्यक्रम

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने अपने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के लिए 11–12 जनवरी 2023 के दौरान एक दो दिवसीय इन–हाउस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (इनक्रियॉन) का आयोजन किया।

पाठ्यक्रम का उदघाटन डॉ अजीत कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, एनपीओएल ने किया। डॉ ए रघुनाथ राव, उपाध्यक्ष, एनपीओएल एचआरडी परिषद ने कार्यक्रम से परिचय कराया तथा प्रारंभिक टिप्पणियां दीं। पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा दिए जाने वाले व्याख्यानों के माध्यम से सक्रिय एवं स्वस्थ सेवानिवृत्त जीवन बिताने के लिए तैयार कराना था। डॉ जिनो जॉय, परामर्शदाता जराचिकित्सा, मेडिकल ट्रस्ट हॉस्पिटल, कोच्चि ने

वृद्धावस्था संबंधी स्वास्थ्य विकृतियों पर दिए गए व्याख्यान को सभी प्रतिभागियों द्वारा सराहा गया। एक सत्र 'सेवानिवृत्ति उपरांत निवेश योजनाओं के अवसर' में, श्री माधवन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में प्रशिक्षण अधिकारी, ने उन निवेश योजनाओं के बारे में बताया जो सेवानिवृत्ति के उपरांत लाभकारी हैं।

एनएसटीएल में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह–2023 के आयोजन से पहले, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल) में 17 फरवरी 2023 को एक विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन एनएसटीएल महिला कल्याण मंच ने ओमनी आर के हॉस्पिटल और अग्रवाल आई हॉस्पिटल के साथ मिलकर किया। श्रीमती वाई लक्ष्मी राव, एनएसटीएल की प्रथम महिला ने डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल के साथ स्वास्थ्य शिविर का उदघाटन किया। इस अवसर पर, डॉ जेम्स एस के एडम्स, डॉ अग्रवाल आई हॉस्पिटल ने 'स्क्रीन रिस्क' पर एक स्वास्थ्य वार्ता की प्रस्तुति की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे टेब्स एवं मोबाइलों से स्वयं को सीमित रखें तथा अपने बच्चों को उनसे यथासंभव दूर रखने का प्रयास

करें। ओमनी आर के हॉस्पिटल से सामान्य चिकित्सकों यानी डॉ सूर्या, डॉ सुजाना, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ निहारिका तथा ओमनी आर के हॉस्पिटल और अग्रवाल आई हॉस्पिटल की टीमों तथा एनएसटीएल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ टी वी ए किरनमायी एवं एनएसटीएल एमआई कक्ष की टीम ने शिविर का पर्यवेक्षण किया।

नियुक्तियाँ

डॉ आर बालामुरली कृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद, ने 1 फरवरी 2023 से डीएमआरएल के निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने अपनी बीटेक की शिक्षा आईआईटी मद्रास से; एमएस तथा पीएचडी की शिक्षा कार्नेगी मेलॉन यूनिवर्सिटी, पिट्सबर्ग, यूएसए से पूरी की। सीएमयू में एक तीन वर्षीय पोस्ट डाक्टरेट कार्यकाल के उपरांत, डीएमआरएल में उन्होंने वैज्ञानिक 'डी' के तौर पर वर्ष 2001 में कार्यभार ग्रहण किया।

उन्होंने अपने द्वारा दिए गए योगदानों के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जिनमें डीएमआरएल प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार (2003); आत्मनिर्भरता में उत्कृष्टता के लिए 2005 में डीआरडीओ अग्नि पुरस्कार; 2010 में भारतीय विज्ञान संस्थान से हयूबर्ट आई. आरॉनसन अध्येतावृत्ति; 2011 में डीआरडीओ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सिलिकॉन पदक; तथा 2017 में मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय धातुविज्ञानी दिवस के दौरान वर्ष का धातुविज्ञानी पुरस्कार शामिल है।

उच्च योग्यता अर्जन

डॉ मुनमुन बेसंतरी, वैज्ञानिक 'डी', रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई), चंडीगढ़ को उनके शोधप्रबंध शीर्षक, 'बैंड सलेक्शन स्ट्रैटिजीज यूजिंग डिस्क्रिमिनेटिव, स्पेशियल ऐंड फंक्शन्ल वेरिएंट्स ऑफ पीसीए फॉर हाइपरस्पेक्ट्रल इमेज क्लासिफिकेशन' के लिए स्कूल ऑफ कम्प्यूटिंग ऐंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (एससीईई), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी (हिमचाल प्रदेश) द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

डॉ वेंकट, वैज्ञानिक 'एफ', रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद को धातुकर्मीय एवं सामग्री अभियांत्रिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारांगल द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

डॉ आशुतोष पांचाल, वैज्ञानिक 'ई', रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई), चंडीगढ़ को भौतिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

डॉ अंकित, वैज्ञानिक 'सी', रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर को उनके शोधप्रबंध शीर्षक 'कंजर्वेशन एग्रिकल्चर ऐंड सल्फर न्यूट्रिशन इफैक्ट्स ऑन प्रोडक्टिविटी ऐंड रिर्सोस यूज एफिसिएंसी ऑफ रेनफेड पर्ल मिलेट' के लिए एग्रोनोमी विषय में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के 61वें दीक्षांत समारोह में 24 फरवरी 2023 को पीएचडी उपाधि प्रदान की गई।

डीआरडीओ मध्य क्षेत्र क्रिकेट प्रतियोगिता (2022-23)

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने 30 जनवरी 2023 से 3 फरवरी 2023 के दौरान मध्य क्षेत्र क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता का उदघाटन डॉ एम राम मनोहर बाबू, निदेशक, एएसएल ने किया। मध्य क्षेत्र में स्थित डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से बारह टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। डीआरडीएल, हैदराबाद 'मध्य क्षेत्र की विजेता टीम' तथा पीएक्सई, बालासौर 'उप विजेता टीम' रही। श्री एस कानन, टीओ 'सी', एएसएल को ''प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट'' उपाधि दी गई, जबकि एसएफ कॉम्प्लेक्स जगदलपुर को ''फेयर प्ले ट्रॉफी'' प्रदान की गई।

टीबीआरएल में उत्तर क्षेत्र कबड्डी प्रतियोगिता

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ ने 22–24 फरवरी 2023 के दौरान उत्तर क्षेत्र (एनजेड) कबड्डी प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। उत्तर क्षेत्र से विभिन्न प्रयोगशालाओं से कुल सात टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। टीबीआरएल ने उत्तर क्षेत्र कबड्डी प्रतियोगिता जीती।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुकों के दौरे

डीएमआरएल, हैदराबाद

एअर वाइस मार्शल श्री एस के जैन, वीएसएम एसीएएस (एमपी) ने 23 फरवरी 2023 को रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) का दौरा किया। उन्होंने डॉ आर बालामुरली कृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल के साथ डीएमआरएल द्वारा दिए जा सकने वाले समर्थन तथा वायुसेना की विभिन्न आवश्यकताओं के बारे में बात की। डॉ पार्थ घोषाल, वैज्ञानिक 'जी' उन्हें उन्नत सामग्री लक्षणवर्णन केंद्र में ले गए और वहां उन्हें विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपों का प्रयोग करते हुए भिन्न सामग्रियों की लक्षणवर्णन सुविधाओं को दिखाया।

दिहार, लेह

श्री पुरुषोत्तम खोदाभाई रूपाला, माननीय केंद्रीय मंत्री (मत्स्यकी, पशुपालन एवं डेयरी), भारत सरकार ने 11 मार्च 2023 को रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार), लेह का दौरा किया। उन्होंने दिहार के परीक्षण फार्म का दौरा किया तथा दिहार की पशु संबद्ध प्रौद्योगिकियों पर विशेष रुचि व्यक्त की। उन्होंने सुझाव दिया कि लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र के पशुपालन विभाग को संभावित कुक्कुट किसानों के बीच दिहार द्वारा विकसित नॉमोबारिक हैचरी प्रौद्योगिकी हस्तांतरिक करके सहायता दिए जाने से कुक्कुट उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। दिहार के दोहरे–कूबड़ वाले ऊँट उनके दौरे के दौरान खास आकर्षक बिंदु थे, और वह दूर–दराज, उच्च–तुंगता वाले स्थलों में इन ऊँटों की महत्ता तथा उपयोगिता को जानने के बारे में काफी इच्छुक नज़र आए।